प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

चतुर्दश बिहार विधान सभा के षष्ठम् सत्र के शुभारंभ के अवसर पर आप सबों का हार्दिक स्वागत है ।

भारतीय लोकतंत्र की सबलता संसदीय प्रणाली की समुन्नति पर आधारित है । हमारी संसदीय प्रणाली जितनी अधिक सशक्त होगी हमारा लोकतंत्र उतना ही सबल होगा । हम जन-प्रतिनिधि संसदीय लोकतंत्र के अभिरक्षक हैं और राज्य की जनता ने विश्वास के साथ हमें अपनी ताकत दी है । आवश्यकता है हम जनता द्वारा प्रदत्त उस ताकत का उपयोग, दायित्व का निर्वहन शुचिता एवं पूरी ईमानदारी से करते हुए राज्य एवं राष्ट्र की जनता की समुन्नति के लिए सतत् प्रयत्नशील रहें ।

यदि सदन में आपकी भूमिका सकारात्मक होगी तो इसके माध्यम से राज्यहित एवं लोकहित की कतिपय समस्याओं पर विमर्श कर हम उसका निदान निकाल सकेंगे ।

मुझे विश्वास है कि सदन के संचालन में आपका पूर्ण सार्थक सहयोग प्राप्त होगा ।